हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 18 अक्तूबर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आज पूरी दुनिया भारत को एक विश्वसनीय, ज़िम्मेदार और उदारवादी साझेदार के रूप में देखती है। कल शाम नई दिल्ली में एक निजी मीडिया हाउस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री मोदी ने कहा कि आज भारत का विकास वैश्विक अवसरों को आकार दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब नहीं रूकेगा और ना ही इसकी गति धीमी होगी।

हम न रुकेंगे, न हम थमेंगे। हम 140 करोड़ देशवासी मिलकर तेजी से आगे बढ़ेंगे। आज जब दुनिया में भली भांति के रोड ब्लॉक्स हैं, स्पीड ब्रेकर हैं, तब अनस्टोपेबल भारत की चर्चा बहुत स्वाभाविक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कई तरह की बाधाओं का सामना कर रहे विश्व में, "अजेय भारत" के बारे में चर्चा स्वाभाविक और सामयिक है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों में भारत ने हर तरह की शंकाओं को दूर किया है और हर चुनौती पर विजय हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत "फ्रेज़ाइल फ़ाइव" की श्रेणी से निकलकर शीर्ष पाँच वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि चिप से लेकर जहाज तक, आत्मनिर्भर भारत का विश्वास सभी क्षेत्रों में स्पष्ट है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब आतंकवादी हमलों के बाद शांत नहीं रहता, बल्कि सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमलों और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से निर्णायक जवाब देता है। श्री मोदी ने माओवादी आतंकवाद से निपटने में देश में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना की।

बीते ग्यारह वर्षों में भारत ने हर आशंका को ध्वस्त किया है। हर चुनौती को पस्त किया है। आज भारत अब फ्रेज़ाइल फ़ाइव से बाहर निकलकर, टॉप फ़ाइव इकोनॉमीज़ में से एक बन गया है। आज इंफ्लेशन टू पर्सेंट से नीचे है और ग्रोथ रेट सेवन पर्सेंट से ज्यादा है। आज चिप से लेकर शिप तक चारों तरफ आत्मनिर्भर भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है।

प्रधानमंत्री ने सभी को दिपावली की शुभकमानाएं भी दी।

****

कुरुक्षेत्र प्रशासन ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक के साथ तीन दिन पहले कुछ किसानों व अन्य लोगों द्वारा बदतमीजी करने और कानून को अपने हाथों में लेने के मामले में पुलिस के पास प्राथमिकी दर्ज करवाई है। हमारी संवाददाता ने बताया है कि इस घटना के बाद खाद्य एंव आपूर्ति विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने विरोध स्वरूप धान खरीद बंद कर दी थी।जिस कारण किसानों को मंडियों में परेशानी आ रही थी। कुरुक्षेत्र के उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि

खरीद नियमों के अनुसार आज से दोबारा धान की खरीद और उठान कार्य को सभी मंडियों में शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही मंडियों में ड्यूटी देने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था भी जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। किसी को भी कानून अपने हाथों में नहीं लेने दिया जाएगा।

****

सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार फरीदाबाद जिले में दिवाली पर्व पर केवल ग्रीन पटाखों की बिक्री और उपयोग की अनुमति दी गई है। जिलाधीश विक्रम सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान -**नीरी** द्वारा प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री आज से 20 अक्तूबर तक ही होगी। इसके लिए जिला व खंड स्तर पर निगरानी दल गठित किए गए हैं, जो निर्धारित स्थलों पर पटाखों की बिक्री की जांच करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि अनलाइन व्यावसायिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से पटाखों की बिक्री या खरीद पर सख्त रोक लगाई गई है।केवल पैट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन से लाइसेंस प्राप्त व्यापारी ही नीरी की वेबसाइट पर दर्ज ग्रीन पटाखों की बिक्री कर सकेंगे। बिना लाइसेंस या बेरियम युक्त पटाखे जब्त किए जाएंगे और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लड़ी पटाखों के निर्माण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। दिवाली के अवसर पर पटाखे चलाने का समय सुबह 6 से 7 बजे तक और रात 8 से 10 बजे तक ही भी निर्धारित किया गया है।

****

चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान में आज रक्षा मंत्रालय पुनर्वास महानिदेशालय – DGR द्वारा प्रायोजित 24 सप्ताह का व्यवसाय प्रबंधन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सम्पन्न हो गया। यह पाठ्यक्रम 5 मई से 17 अक्तूबर तक भारतीय थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना के 19 अधिकारियों के लिए संचालित किया गया। दीक्षांत समारोह में चंडीमंदिर से पुनर्वास महानिदेशालय के पश्चिम जोन के अतिरिक्त महानिदेशक ब्रिगेडियर सुधीर मलिक मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर सुधीर मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि DGR का प्रमुख उद्देश्य देश के पूर्व सैनिकों को नवीन जीवन कौशल एवं प्रबंधकीय दक्षता प्रदान करना है, ताकि वे सेवानिवृत्ति के पश्चात् भी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने सभी अधिकारियों को अपने अनुभव और ज्ञान को समाज हित में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के अंतर्गत एक पौधा भी रोपित किया गया।

****